कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–20

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एच.डी.-20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. पंजाबी दलित साहित्य के उद्‌भव और विकास को चित्रित कीजिए। 10

2. 'माँ' कविता की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए। 10

3. 'कवच' कहानी की कहानी के तत्त्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए। 10

4. गुजराती दलित कहानी की पृष्ठभूमि को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 10

5. " 'मोची की गंगा' कहानी में सांस्कृतिक विरासत और समकालीनता का चित्रण है।" विश्लेषित कीजिए। 10

6. ओडिशा में जाति-प्रथा के विरोध में उभरे सामाजिक-सांस्कृतिक आन्दोलनों पर प्रकाश डालिए। 10

7. "आत्मकथन 'अक्करमाशी' यातना से मुक्ति की विद्रोही अभिव्यक्ति है।" इस कथन पर तर्कसंगत विचार कीजिए। 10

8. दलित मुक्ति आन्दोलन और दलितों में उभरे आत्मबोध के कारणों को विश्लेषित कीजिए। 10

9. 'मशालची' उपन्यास की रचनात्मक विशिष्टताओं को स्पष्ट कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **200** शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

    (क) मराठी दलित कविता की वैचारिक प्रतिबद्धता

    (ख) 'माँ ! मैं भला की मेरा भाई' कविता का विश्लेषण

    (ग) 'अमावस' कहानी की भाषा और प्रतीकात्मकता

    (घ) 'गिद्धानुभूति' : शिल्प और भाषा

× × × × × × ×